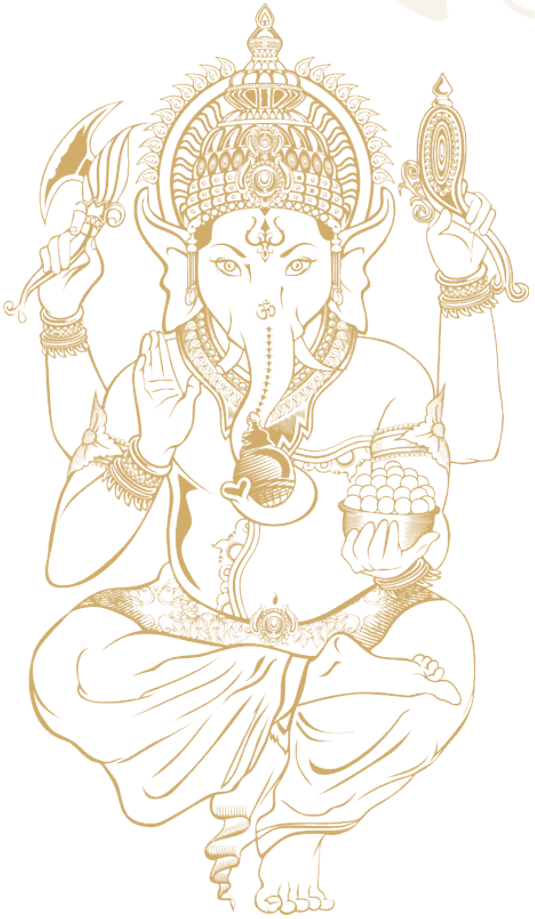

Sarshti sharma

25 Dec 2000

04:00 PM

Yamunanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121403603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25/12/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:00:00 घंटे**
इष्ट	21:52:45 घटी
स्थान	**Yamunanagar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:39:12 घंटे
वेलान्तर	-00:00:10 घंटे
साम्पातिक काल	21:56:11 घंटे
सूर्योदय	07:14:53 घंटे
सूर्यास्त	17:27:15 घंटे
दिनमान	10:12:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	10:04:38 धनु
लग्न के अंश	20:25:20 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	नाग
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भावना
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	20:25:20	362:55:14	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	---
सूर्य			धनु	10:04:38	01:01:09	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
चंद्र			धनु	06:56:18	12:01:08	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			तुला	07:12:53	00:35:26	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
बुध		अ	धनु	09:51:55	01:35:28	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
गुरु	व		वृष	08:54:44	00:05:55	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मक	25:46:13	01:07:41	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि	व		वृष	01:02:32	00:03:12	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	21:36:16	00:00:50	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	21:36:16	00:00:50	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मक	24:28:33	00:02:43	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप			मक	11:14:07	00:02:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	19:39:52	00:02:13	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	02:57:12	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:58

लग्न-चलित

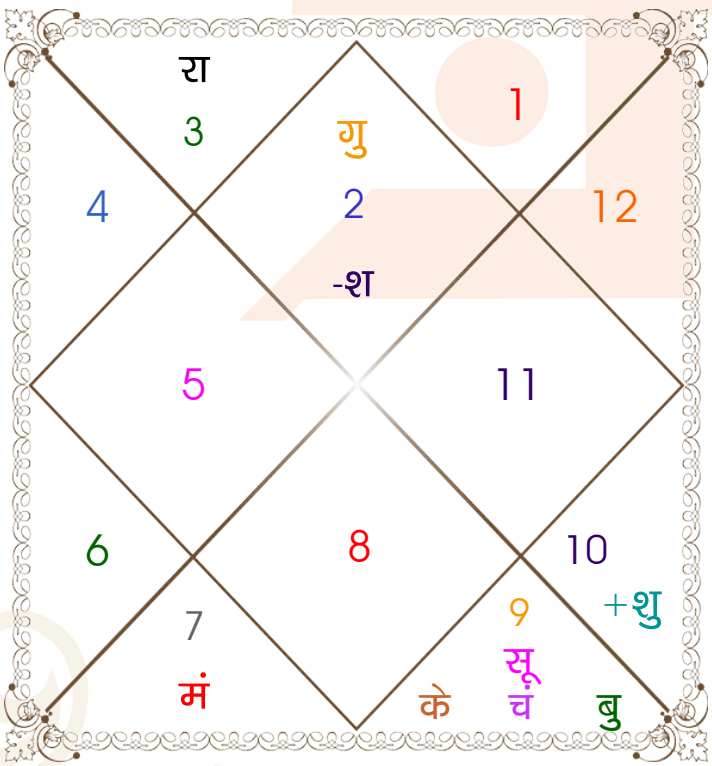

चन्द्र कुंडली

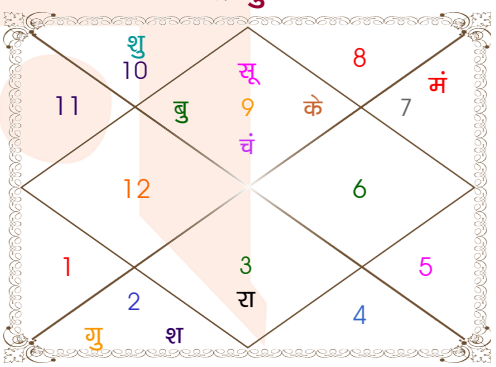

नवमांश कुंडली

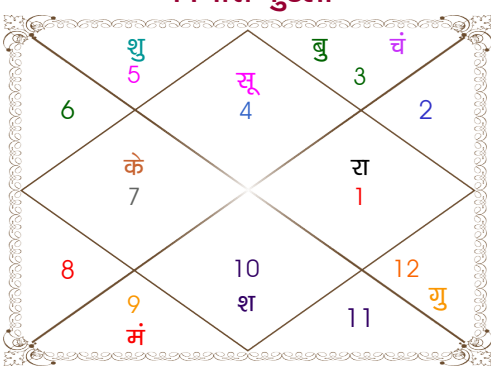

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 4 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/12/2000		04/05/2004		04/05/2024		05/05/2030		04/05/2040	
04/05/2004		04/05/2024		05/05/2030		04/05/2040		05/05/2047	
	00/00/0000	शुक्र	04/09/2007	सूर्य	22/08/2024	चंद्र	05/03/2031	मंगल	01/10/2040
	00/00/0000	सूर्य	03/09/2008	चंद्र	21/02/2025	मंगल	04/10/2031	राहु	19/10/2041
	00/00/0000	चंद्र	05/05/2010	मंगल	28/06/2025	राहु	04/04/2033	गुरु	25/09/2042
	00/00/0000	मंगल	05/07/2011	राहु	23/05/2026	गुरु	04/08/2034	शनि	04/11/2043
	25/12/2000	राहु	05/07/2014	गुरु	11/03/2027	शनि	05/03/2036	बुध	31/10/2044
राहु	23/04/2001	गुरु	05/03/2017	शनि	21/02/2028	बुध	04/08/2037	केतु	29/03/2045
गुरु	29/03/2002	शनि	04/05/2020	बुध	28/12/2028	केतु	05/03/2038	शुक्र	29/05/2046
शनि	08/05/2003	बुध	05/03/2023	केतु	05/05/2029	शुक्र	04/11/2039	सूर्य	04/10/2046
बुध	04/05/2004	केतु	04/05/2024	शुक्र	05/05/2030	सूर्य	04/05/2040	चंद्र	05/05/2047

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/05/2047		05/05/2065		05/05/2081		05/05/2100		06/05/2117	
05/05/2065		05/05/2081		05/05/2100		06/05/2117		00/00/0000	
राहु	15/01/2050	गुरु	23/06/2067	शनि	07/05/2084	बुध	02/10/2102	केतु	02/10/2117
गुरु	10/06/2052	शनि	03/01/2070	बुध	16/01/2087	केतु	29/09/2103	शुक्र	02/12/2118
शनि	17/04/2055	बुध	10/04/2072	केतु	24/02/2088	शुक्र	30/07/2106	सूर्य	09/04/2119
बुध	03/11/2057	केतु	17/03/2073	शुक्र	26/04/2091	सूर्य	06/06/2107	चंद्र	08/11/2119
केतु	22/11/2058	शुक्र	16/11/2075	सूर्य	07/04/2092	चंद्र	04/11/2108	मंगल	05/04/2120
शुक्र	22/11/2061	सूर्य	03/09/2076	चंद्र	06/11/2093	मंगल	01/11/2109	राहु	26/12/2120
सूर्य	16/10/2062	चंद्र	03/01/2078	मंगल	16/12/2094	राहु	21/05/2112		00/00/0000
चंद्र	16/04/2064	मंगल	10/12/2078	राहु	22/10/2097	गुरु	27/08/2114		00/00/0000
मंगल	05/05/2065	राहु	05/05/2081	गुरु	05/05/2100	शनि	06/05/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 4 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगी।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ती रहेंगी। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगी, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगी। आप कभी भी छलांग नही लगाती। आप समय की प्रतिक्षा करती हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करती हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करती हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहती हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेती हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करती हैं। परिणाम स्वरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगी। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगी।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगी। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकती हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकती हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाती हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद की गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगी।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगी।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगी।

आप अपने परिवार को अच्दी प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था

करेंगी।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाली हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकती हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकती हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।